CBSE Class 09 - Hindi A

Sample Paper 09 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। इस बात को सब लोग मानते हैं कि आत्मसंस्कार के लिए थोड़ी-बहुत मानसिक स्वतंत्रता परमावश्यक है-चाहे उस स्वतंत्रता में अभिमान और नम्रता दोनों का मेल हो और चाहे वह नम्रता ही से उत्पन्न हो। यह बात तो निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए वह गुण अनिवार्य है, जिससे आत्मनिर्भरता आती है और जिससे अपने पैरों के बल खड़ा होना आता है।

युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता से व्यवहार करे, ये बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है-हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे भोग, हमारे घर और बाहर की दशा, हमारे बहुत-से अवगुण और थोड़े गुण-सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए।

नम्रता से मेरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है, जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मंद हो जाती है, जिसके कारण वह आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर चट-पट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही है, जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती है।

i. 'विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। **(2)**
ii. मर्यादापूर्वक जीने के लिए किन गुणों का होना अनिवार्य है और क्यों? **(2)**
iii. नम्रता और दब्बूपन में क्या अंतर है? **(2)**
iv. आत्ममर्यादा के लिए कौन-सी बातें आवश्यक हैं? **(2)**
v. नम्रता, अनिवार्य का विलोम लिखिए। **(1)**
vi. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
   a. अ + तिरिक्त
   b. अति + रिक्त
   c. अत + रिक्त
   d. अत्य + रिक्त
3. 'स' उपसर्ग युक्त शब्द हैं -
   a. सन्मित्र, संहार
   b. सहित, सपरिवार
   c. सञ्चालन, सम्मान
   d. सच्चरित्र, सन्मार्ग
4. 'मानसिकता' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. मन + इकता
   b. मानसिक + ता
   c. मानस + इकता
   d. मान + सिकता
5. 'सजावट' और 'लिखावट' में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. सज + आहट, लिख + आहट
   b. सजाव + वट , लिखा + वट
   c. सज + आवट , लिख + आवट
   d. सजाना + आवट, लिखाना + आवट
6. 'अष्टाध्यायी' शब्द के लिए उचित समास विग्रह और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।
   a. अष्ट अध्यायों का समूह - समास विग्रह
      द्वंद्व समास - समास का नाम
   b. अष्ट अध्यायों का समूह - समास विग्रह
      कर्मधारय समास - समास का नाम
   c. अष्ट अध्यायों का समूह - समास विग्रह
      अव्ययीभाव समास - समास का नाम
   d. अष्ट अध्यायों का समूह - समास विग्रह
      द्विगु समास - समास का नाम
7. साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
   a. साफ़ होने वाला - समास विग्रह
      कर्मधारय समास - समास का नाम

b. सफाई के अनुसार - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

c. जितना साफ हो - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

8. 'सात सौ दोहों का समूह' समास विग्रह का उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. सतसई - समस्त पद

द्विगु समास - समास का नाम

b. सप्तसमूह - समस्त पद

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. सप्तपद - समस्त पद

कर्मधारय समास - समास का नाम

d. सातसाईं - समस्त पद

द्वंद्व समास - समास का नाम

9. 'पीताम्बर' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. पीत अंबर - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

b. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

c. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

d. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

10. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों की संख्या ________ है।

a. आठ

b. दस

c. छह

d. सात

11. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए - " उसने कोई उपाय नही छोड़ा। "

a. आज्ञावाचक

b. निषेधवाचक

c. विधानवाचक

d. इच्छावाचक

12. जिन वाक्यों में किसी से कोई बात पूछी जाए, उन्हें ________ वाक्य कहते हैं।

a. संकेतवाचक वाक्य

b. संदेहवाचक वाक्य

c. प्रश्नवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

13. जिन वाक्यों से कार्य के होने में संदेह या सम्भावना का बोध हो, वे कहलाते हैं -

a. संदेहवाचक वाक्य

b. सम्भावनावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. सन्देशवाहक वाक्य

14. जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. श्लेष

c. उपमा

d. अनुप्रास

15. शब्दालंकार के प्रमुख कितने भेद हैं?

a. चार

b. दो

c. पाँच

d. तीन

16. जब किसी शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो, हर बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो। वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. श्लेष

17. कोई विशिष्ट शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त करे, तो वहां कौन-सा अलंकार होता है ?

a. श्लेष

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. यमक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस ज़माने में भी पाँच रुपये से कम में क्या मिलते होंगे। जूता हमेशा टोपी से। कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के अनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे। यह विडंबना मुझे इतनी तीव्रता से पहले कभी नहीं चुभी, जितनी आज चुभ रही है, जब मैं तुम्हारा फटा जूता देख रहा हूँ। तुम महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट, युग-प्रवर्तक, जाने क्या-क्या कहलाते थे, मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है।

i. लेखक टोपी और जूते के मूल्यों की तुलना किस प्रकार करता है?
ii. लेखक किस विडंबना को देखकर दुखी है?
iii. लेखक ने गद्यांश में प्रेमचंद के किस-किस नाम की चर्चा की है?

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
a. साँवले सपनों की याद पाठ के आधार पर सालिम अली के किन्हीं दो गुणों का उल्लेख कीजिए।
b. डाँड़े के आस-पास के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
c. गया के घर से भागकर आए हीरा-मोती को देख झूरी, बच्चे और उसकी पत्नी ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की?
d. गया के घर कदम-कदम पर अपमानित होने के बाद भी हीरा-मोती को ऐसा क्यों लगा कि यहाँ भी किसी सज्जन का वास है?
e. 'तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे' के माध्यम से लेखक हरिशंकर परसाई क्या कहना चाहता है?

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

क्या?-देख न सकती, ज़ंजीरो का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश-राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ?-जीवन की तान,
गिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कुआँ।
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलानेवाली,
इसलिए रात में गज़ब ढा रही आली?
इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!

i. कवि ने हथकड़ियों को क्या कहा है और क्यों?
ii. जेल में स्वतंत्रता सेनानियों से क्या-क्या काम कराया जाता था?
iii. कोयल द्वारा मधुर विद्रोह-बीज बोने का क्या उद्देश्य था?

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   a. कवयित्री भवसागर पार होने के प्रति चिंतित क्यों है? वाख कविता के आधार पर बताइए।
   b. कबीर की साखियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कबीर सच्चे समाज सुधारक थे?
   c. कैदी और कोकिला कविता में हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?
   d. कवि रसखान हर जन्म में हर रूप में कहाँ जन्म लेना चाहते हैं? और क्यों?
   e. श्रीकृष्ण की मुरली की धुन सुनकर तथा उनकी मुस्कान से गोपियों की मनोदशा कैसी हो जाती है?
22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:
   a. कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह न लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि **काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?** कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?
   b. सच, अकेलेपन का मज़ा ही कुछ और है - मेरे संग की औरतें पाठ के इस कथन के आधार पर लेखिका की बहन एवं लेखिका के व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।
   c. चाय तो बहुत अच्छा साग हो जाती है ठकुराइन जी - माटी वाली ने ऐसा क्यों कहा होगा?

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:
   a. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
      - ट्रैफिक की समस्या का आधार
      - लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
      - सुधार उपाय
   b. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
      - इंटरनेट क्या है?
      - लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
      - उपयोग के सुझाव
   c. **बढ़ते उद्योग कटते वन** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
      - भूमिका
      - वृक्षों से लाभ
      - वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
      - वृक्षारोपण
      - उपसंहार
24. अपने विद्यालय में मनाए गए वृक्षारोपण समारोह की जानकारी देते हुए, दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

OR

आप छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। परीक्षा की समाप्ति के बाद भी आप घर नहीं जा पा रहे हैं। इसके बारे में बताते हुए

पिताजी को पत्र लिखिए।

25. स्वच्छता-अभियान पर माँ-बेटी के बीच संवाद को लिखिए।

OR

दुकानदार और ग्राहक के बीच चीनी खरीदने को लेकर होने वाले संवाद को लिखिए।

26. **जब मैं पहुँचा परीलोक** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

प्रकृति की छाँव विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 09 (2020-21)

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. किसी भी व्यक्ति में स्वतंत्रता का भाव आते ही उसके मन में अहंकार आ जाता है। इस अहंकार के कारण वह अपनी मनुष्यता खो बैठता है। इससे व्यक्ति के आचरण में इतना बदलाव आ जाता है कि वह दूसरों को खुद से हीन समझने लगता है। ऐसे में स्वतंत्रता के साथ विनम्रता का होना आवश्यक है, अन्यथा स्वतंत्रता अर्थहीन हो जाएगी।
   ii. मर्यादापूर्वक जीवन जीने के लिए मानसिक स्वतंत्रता आवश्यक है। इस स्वतंत्रता के साथ नम्रता का मेल होना आवश्यक है। इससे व्यक्ति में आत्मनिर्भरता आती है। आत्मनिर्भरता के कारण वह परमुखापेक्षी नहीं रहता। उसे अपने पैरों पर खड़ा होने की कला आ जाती है।
   iii. दब्बूपन में व्यक्ति का संकल्प व बुद्ध क्षीण होती है, वह त्वरित निर्णय नहीं ले सकता। वह अपने छोटे-छोटे कार्यों तथा निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। इसके विपरीत, नम्रता में व्यक्ति स्वतंत्र होता है। वह नेतृत्व करने वाला होता है। वह अपने निर्णय खुद लेता है और दूसरे का मुँह देखने के लिए विवश नहीं होता।
   iv. आत्ममर्यादा के लिए अपने बड़ों का सम्मान करना, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करना आवश्यक है।
   v. नम्रता - उदंडता
   अनिवार्य - ऐच्छिक
   vi. विनम्रता

खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) अति + रिक्त

   Explanation: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।

3. (b) सहित, सपरिवार

   Explanation: 'सहित' और 'सपरिवार' में 'स' उपसर्ग हैं और मूल शब्द क्रमशः 'हित' और 'परिवार' हैं ।

4. (b) मानसिक + ता

   Explanation: 'मानसिकता' शब्द में 'मानसिक' मूल शब्द है और 'ता' प्रत्यय है।

5. (c) सज + आवट , लिख + आवट

   Explanation: 'सजावट' और 'लिखावट' शब्द में 'सज' और 'लिख' क्रमशः मूल शब्द हैं और दोनों में ही 'आवट' प्रत्यय है।

6. (d) अष्ट अध्यायों का समूह - समास विग्रह

   द्विगु समास - समास का नाम

   Explanation: 'अष्टाध्यायी' का पूर्वपद (अष्ट) संख्यावाची विशेषण होने के कारण यहाँ द्विगु समास है।

7. (d) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

Explanation: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।

8. (a) सतसई - समस्त पद

   द्विगु समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ पूर्व पद (सप्त) संख्यावाची विशेषण है इसलिए यहाँ द्विगु समास होगा।

9. (c) पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

   बहुव्रीहि समास - समास का नाम

   Explanation: समास विग्रह का अन्य अर्थ निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।

10. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 (आठ) भेद हैं ।

11. (b) निषेधवाचक

    Explanation: 'नही' का प्रयोग निषेधवाचक वाक्य में किया जाता है ।

12. (c) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: जिन वाक्यों में बात या प्रश्न पूछा जाए, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

13. (a) संदेहवाचक वाक्य

    Explanation: संदेह व संभावना को संदेहवाचक वाक्यों द्वारा व्यक्त किया जाता है।

14. (d) अनुप्रास

    Explanation: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

15. (d) तीन

    Explanation: शब्दालंकार के प्रमुख तीन भेद हैं -अनुप्रास ,यमक और श्लेष I

16. (a) यमक

    Explanation: यमक। जैसे - काली घटा का घमंड घटा। (घटा- बादलों की घटा, कम हुआ) 'घटा' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।

17. (a) श्लेष

    Explanation: श्लेष I जैसे- मंगन को देखि पट देत बार-बार है। (पट- दरवाजा, पट-वस्त्र) 'पट' शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त कर रहा है I

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. लेखक टोपी और जूते की तुलना इस प्रकार करते हुए कहते हैं कि टोपी तो आठ आने में मिल जाती है जबकि जूते उस समय भी पाँच रुपये से कम में नहीं मिलते होंगे। आज के समय में तो जूते की कीमत इतनी बढ़ गई है कि उस कीमत में बीसियों टोपियाँ खरीदकर जूतों पर न्योछावर की जा सकती हैं।

    ii. लेखक इस विडंबना को देखकर दुखी है कि टोपी की कीमत चाहे कितनी भी कम हो उसका स्थान सर पर ही रहता है जबकि कीमती से कीमती जूते का स्थान हमेशा पैरों में ही रहता है। फिर भी जूते की कीमत टोपी से कभी कम नहीं हो पाई। इसे ही देखकर लेखक दुखी है।

    iii. लेखक ने प्रस्तुत गद्यांश में प्रेमचंद के निम्नलिखित नामों की चर्चा की है- महान कथाकार, उपन्यास सम्राट, युग प्रवर्तक।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर सालिम अली के दो गुण निम्नलिखित हैं-

i. बर्ड वाचर और पक्षी प्रेमी - सालिम अली प्रसिद्ध बर्ड वाचर तो थे ही इसके साथ-साथ ही वे उनके बारे में दुर्लभ जानकारी एकत्रित करते रहते थे और उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक थे।

ii. प्रकृति प्रेमी - पक्षी प्रेमी होने के साथ ही वे प्रकृति से भी लगाव और स्नेह रखते थे इसलिए केरल की साइलेंट वैली को बचाने के लिए वे तत्कालीन प्रधानमंत्री से भी मिले।

b. डाँड़े लगभग सोलह-सत्रह हजार फीट ऊँचे स्थान थे। वहाँ से दक्खिन की तरफ और पूरब से पश्चिम की ओर देखने पर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर खड़े दिखाई देते थे। एक ओर भीटे की ओर देखने पर नंगे पहाड़ दिखाई देते थे। उन पर न तो बरफ की सफेदी ही थी और न ही हरियाली। उत्तर की तरफ तो बहुत कम बरफ वाली चोटियाँ थीं। कहीं बर्फ सूरज की किरणों से चाँदी के समान चमक रही थी तो कहीं भूरे रंग की बर्फहीन पहाड़ियां सुशोभित हो रही थी । सबसे ऊँचे स्थान पर डाँड़े के देवता का स्थान था जिसे पत्थरों के ढेर , जानवरों के सींगों और हड्डियों और रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियों से सजाया गया था।

c. गया के घर से भागकर आए हीरा-मोती को देखकर झूरी स्नेह से गदगद हो गया। वह उन्हें प्यार से गले लगाकर चूमने लगा । गाँव के सभी बच्चों ने तालियाँ बजाकर दोनों बैलों का स्वागत किया। हीरा-मोती उनके लिए किसी विजयी से कम नहीं थे | बच्चों ने उन्हें सम्मानित करने का मन बनाया। ईनाम स्वरुप उनके लिए कोई बच्चा अपने घर से रोटियाँ, कोई गुड़, कोई चोकर और कोई भूसी आदि ले आया। झूरी की पत्नी दोनों बैलों को अपने द्वार पर आया हुआ देखकर जल-भुन गई | वह उन्हें नमकहराम कहने लगी। उसने झूरी से कहा कि ये दोनों काम के डर से वहाँ से भाग आए हैं | उसने नौकर को चेतावनी दे दी कि इन्हें खाने को सूखा भूसा ही दिया जाए।

d. गया के घर हीरा-मोती कदम-कदम पर अपमानित होते थे | उन्हें ढंग से खाने को भी नहीं मिलता था | इतना होने के बाद भी रात में एक छोटी बालिका दो रोटियाँ लेकर आती और एक-एक रोटी हीरा-मोती को खिलाकर चली जाती। लड़की का अपने प्रति त्याग एवं प्रेम देखकर उन्हें लगा कि इस घर में भी किसी सज्जन का वास है।

e. इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने साहित्यकार प्रेमचंद की गरीबी एवं खराब स्थिति पर व्यंग्य किया है। प्रेमचंद उच्चकोटि के साहित्यकार थे, जिन्हें टोपी की तरह सिर पर धारण किया जाना चाहिए था। उन्हें भरपूर सम्मान मिलना चाहिए था। , पर समाज में टोपी के बजाए जूते की कीमत अधिक आँकी जाती थी। जो सम्मान के पात्र नहीं है उन्हें मानसम्मान दिया जाता है। यहाँ तो स्थिति यह है कि टोपी को जूते के सामने झुकना पड़ता है। प्रेमचंद की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वे अपने दैनिक जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी कठिनाई से कर पाते थे। साहित्यकार होने के बाद भी उस समय समाज के कथित ठेकेदारों ने उनके सामने अनेक कठिनाई खड़ी की हुई थी।

20. i. कवि ने अंग्रेज़ों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को पहनाई गई हथकड़ियों का ब्रिटिश राज का गहना कहा है। उनके अनुसार अपनी जन्मभूमि को आज़ाद कराने के लिए सबको प्रयास करने चाहिए। कवि ने भी ऐसा ही किया था इसलिए उनकी नज़र में यह कोई अपराध नहीं है।

ii. जेल में स्वतंत्रता सेनानियों से निम्नलिखित कार्य लिए जाते थे-

i. उनसे कोल्हू पर काम कराया जाता है।

ii. उनसे हाथों से गिट्टियाँ तुड़वाई जाती थीं।

iii. उनसे पेट पर जुआ रखकर मोट से पानी खिंचवाया जाता था।

iii. कोयल द्वारा मधुर विद्रोह बीज बोने का उद्देश्य था भारतवासियों के मन में देश-प्रेम और देशभक्ति की भावना को मजबूत बनाना, जिससे वे अंग्रेज़ों की वर्षों की दासता से मुक्ति पा सके।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. कवयित्री भवसागर पार होने के प्रति इसलिए चिंतित है क्योंकि वह नश्वर शरीर के सहारे भवसागर पार करने का निरंतर प्रयास कर रही है परंतु जीवन का अंतिम समय आ जाने पर भी उसे अच्छी प्रार्थना स्वीकार होती प्रतीत नहीं हो रही है।

b. कबीर ने अपनी साखियों के द्वारा समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों तथा बुराइयों परकड़ा प्रहार किया है।उन्होंने हिन्दुओं और मुसलमानों की पूजा पद्धति पर व्यंग्य करते हुए साम्प्रदायिकता को अपना लक्ष्य बनाया है | उन्होंने मनुष्य को ईश्वर की सर्व्वयापकता का बोध कराते हुए उसकी एकात्मक भक्ति पर बल दिया है | उन्होंने काशी, कैलाश की यात्रा तथा योग बैराग्य जैसी क्रियाओं के माध्यम से प्रभु को खोजने के प्रयास को निरर्थक बताते हुए उसे अपने ही भीतर खोजने की सलाह दी है। इसके अलावा कबीर ने हिंदू-मुसलमानों की एकता पर विशेष जोर दिया। इससे पता चलता है कि वे सच्चे समाज सुधारक थे।

c. कवि ने हथकड़ियों को गहना इसलिए कहा है क्योंकि कवि की दृष्टि में अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाना कोई जुर्म नहीं है, इसलिए हथकड़ियाँ उनके लिए बंधन नहीं हैं। कवि स्वाधीनता सेनानी है। कवि ने देश की स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाई है इसलिए हथकड़ियाँ उनके लिए बंधन न होकर गहना बन गई हैं।

d. कवि रसखान अपने हर जन्म में ब्रजभूमि में जन्म लेना चाहते हैं, भले ही उनका जन्म किसी भी रूप में क्यों न हो। वे बार-बार ब्रजभूमि में इसलिए जन्म लेना चाहते हैं क्योंकि वे कृष्ण के अनन्य भक्त हैं। कृष्ण ने ब्रजभूमि में तरह-तरह की लीलाएँ की थीं, जिनकी यादें अब भी हैं। कवि इन यादों से जुड़ना चाहते हैं तथा श्रीकृष्ण का सानिध्य पाना चाहते हैं।

e. श्रीकृष्ण की मुरली की ध्वनि मादक तथा मधुर है जो सुनने में अत्यंत कर्णप्रिय लगती है। इसके अलावा श्रीकृष्ण की मुस्कान ब्रजवासियों तथा गोपियों को विवश कर देती है। गोपियाँ श्रीकृष्ण के सौंदर्य पर मोहित हैं। श्रीकृष्ण के गाए गए गोधन को भी वह अनसुना कर देंगी पर श्रीकृष्ण की मादक मुस्कान देखकर वे अपने आपको संभाल नहीं पाएँगी। वे श्रीकृष्ण की उस मुसकान के आगे स्वयं को विवश पाती हैं तथा उनकी ओर खिंची चली जाती हैं।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. बच्चों का काम पर जाना किसी भी समाज और देश के लिए प्रशंसनीय नहीं है। यह तो सामाजिक एवं आर्थिक बिंडबना का जीता-जागता उदाहरण है। आज इन बच्चों का अमानवीय दशाओं में मजदूरी करने को सामान्य बात मानकर जानकारी भर नहीं देना चाहिए। इसके प्रति गहरा लगाव एवं चिंता दिखाई पड़नी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है इसलिए लेखक ने ऐसा कहा है कि इसे विवरण की तरह लिखा जाना चाहिए।

b. लेखिका अपने जीवन में इस बात को बहुत पसंद करती थी कि 'सच, अकेलेपन का मज़ा ही कुछ और है।' लेखिका की बहन और लेखिका इसके उदाहरण हैं।

लेखिका की बहन रेणु जिस काम को सोचती थी, उसे करके ही रहती थी। कोई कितना भी समझाता रहे पर वह नहीं मानती थी। इसमें उसकी ज़िद्द कम दृढ़ निश्चय अधिक झलकता है। एक बार वह बारिश में दो मील दूर स्कूल जाने की ज़िद्द पर पैदल जाने के लिए अड़ी रही। बारिश में गई और स्कूल बंद देखकर वापस आ गई। इस तरह वह मंजिल की ओर अकेले बढ़ने की दिशा में उत्सुक दिखती है। लेखिका भी जीवन की राह पर अकेले चलते हुए डालमिया नगर में स्त्री-पुरुषों

के नाटक खेलकर सामाजिक कार्य हेतु धन एकत्र किया तथा कर्नाटक में अथक प्रयास से अंग्रेज़ी-कन्नड़-हिंदी तीन भाषाएँ पढ़ाने वाला स्कूल खोलकर उसे मान्यता दिलाना उनके स्वतंत्र सोच रखने तथा लीक से हटकर चलने वाले व्यक्तित्व की ओर संकेत करता है।

c. टिहरी में रहने वाली बुढ़िया जो माटी वाली के नाम से प्रसिद्ध है, प्रतिदिन माटाखान से माटी खोदकर लाती है और शहर के घरों में देती है। इस कार्य से उसे थोड़े-बहुत पैसे मिल जाते हैं। वह जिन घरों में मिट्टी देने का कार्य करती है उन्हीं घरों की महिलाएँ उसे एक-दो रोटी दे देती हैं। कभी उसे रोटी के साथ चाय देकर कहती हैं कि इसी से खा ले साग तो है नहीं। इस पर विवश माटी वाली कहती कि चाय तो स्वयं में बहुत अच्छा साग हो जाती है। ऐसा कहने के पीछे उसकी विवशता प्रकट होती है कि अकसर उसे सूखी रोटियाँ खानी पड़ती हैं। यहाँ कम-से-कम चाय तो है जो सूखे खाने से भली। सूखी रोटियों के साथ चाय ही साग बन जाती है।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।

लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।

सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

b. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।

लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।

उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी

बरतनी चाहिए।

c. **भूमिका-** ईश्वरीय सृष्टि की अद्भुत, अलौकिक रचना प्रकृति है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों के बढ़ने से वनों की कटाई बढ़ती जा रही है।

वृक्षों से लाभ- मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहता है। पेड़-पौधों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं।

वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम- जनसंख्या के दबाव, शहरों का विस्तार, फैक्ट्रियों के लिए भूमि की कमी को दूर करने के लिए वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई मनुष्य के द्वारा की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का बढ़ना एवं प्राकृतिक आपदाओं से विनाश का खतरा बढ़ता जा रहा है।

वृक्षारोपण- देर से सही, मनुष्य ने वृक्षों के महत्व को स्वीकारा तो है। वन विभाग द्वारा नये वृक्षों का रोपण किया जा रहा है एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए वन महोत्सव प्रारम्भ किया गया है जो जुलाई मास में मनाया जाता है जिसमें व्यापक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है।

उपसंहार- आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य प्रकृति से जुड़े। यह समझे कि कुल्हाड़ी वृक्षों पर नहीं वरन् उसी पर चल रही है। हमारी संस्कृति में वृक्षों पर देवताओं का वास बताया गया है एवं वृक्ष काटना भयंकर पाप बताया है। वृक्षारोपण करने को महान् पुण्य बताया है।

24. परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
02 मार्च, 2019
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम,
बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली।

विषय- विद्यालय में संपन्न हुए वृक्षारोपण समारोह के संबंध में

मान्यवर,

मैंजुलाई माह में अपने विद्यालय में मनाए गए समारोह को लोगों तक पहुँचाने के लिए आपके सम्मानित पत्र को माध्यम बनाना चाहता हूँ। आशा है कि इसे अपने लोकप्रिय एवं सम्मानित पत्र में स्थान देकर लोगों में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता फैलाएँगे। हमारे विद्यालय के प्रांगण में जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में वृक्षारोपण समारोह मनाए जाने का निश्चय किया गया था। इस अवसर पर स्थानीय पौधशाला से फूलों, फलों तथा छायादार वृक्षों के पाँच सौ पौधे मँगवाए गए। इस समारोह का शुभारंभ माननीय शिक्षाधिकारी द्वारा नीम के एक पौधे को लगाकर किया गया। इसके बाद प्रधानाचार्य के निर्देशन में अध्यापकों तथा छात्रों ने यथास्थान पंक्तियों में इन छोटे-छोटे पौधों को लगाया। हमारे इस काम से प्रसन्न हो शायद इंद्र देवता ने दोपहर बाद वर्षा करके इन पौधों को नहला दिया। लगभग पंद्रह दिन में ही विद्यालय प्रांगण हरा-भरा दिखने लगा।

आपसे अनुरोध है कि इसे अपने समाचार-पत्र में प्रकाशित करें, जिससे अन्य विद्यालयों के छात्र तथा नागरिक वृक्षारोपण का महत्त्व समझें तथा उनमें जागरूकता पैदा हो।

सधन्यवाद।

भवदीय,

दिनेश।

OR

बसंत छात्रावास,

कोठद्वार, उत्तराखंड।

02 मार्च, 2019

पूज्य पिता जी,

सादर चरण-स्पर्श।

आपका पत्र पिछले सप्ताह मिला था,किन्तु परीक्षाएँ समाप्त न होने के कारण मैं चाहकर भी पत्रोत्तर न दे सका, इसके लिए क्षमा प्रार्थी हूँ। आपने मुझसे परीक्षा संबंधी जानकारी चाही थी कि मेरे प्रश्नपत्र कैसे हुए, इस पत्र में मैं उसी के बारे में बता रहा हूँ। पिता जी, आपको यह जानकर खुशी होगी कि मेरे प्रश्नपत्र बहुत अच्छे हुए हैं। गणित और अंग्रेजी की परीक्षा से पूर्व थोड़ी-सी घबराहट सी थी परंतु इन विषयों के प्रश्नपत्र बहुत अच्छे हुए। सामाजिक विज्ञान का प्रश्नपत्र बहुत ही अच्छी हुआ है। हिंदी और संस्कृत की तैयारी मैंने आपके निर्देशानुसार की था। उनके प्रश्नोत्तर लिखने का जो तरीका आपने बताया था, उससे सभी प्रश्न भी तय सीमा के भीतर हल हो गए और दोहराने का समय भी मिल गया। विज्ञान मेरा प्रिय विषय है, इसमें मुझे परेशानी नहीं थी। इस बार मैंने अपने अध्यापकों के निर्देशन में तैयारी की, जिसका परिणाम बहुत अच्छा रहा। मुझे आशा है कि आपके आशीर्वाद से मैं 'ए' ग्रेड प्राप्त कर लूँगा।

पूज्या माता जी को चरण-स्पर्श और प्रीति को स्नेह।

आपका प्रिय पुत्र,

गोविन्द सिंह

25. **प्रेरणा** - माँ, उधर देखो! कितना कचरा जमा पड़ा है। लगता है जैसे हफ़्तों से सफाई ही नहीं हुई है |

माँ - हाँ बेटी! मुझे भी ऐसा ही लग रहा है | इसी कचरे को साफ करने के लिए तो वर्तमान प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाया है।

प्रेरणा -माँ, क्या इस स्वच्छता अभियान से हमारा मोहल्ला साफ सफ़ाई वाला हो जाएगा?

माँ - हाँ, बेटी! पर इसके लिए स्वच्छता अभियान में तुमको, मुझे और समस्त मोहल्लेवासियों को भाग लेना पड़ेगा।

प्रेरणा - किस तरह का भाग माँ?

माँ - बेटी, हमें जहाँ कहीं भी गंदगी मिले उसे तुरंत साफ करना होगा। हमें अपने आस-पास के लोगों को स्वच्छता से अवगत कराना होगा ....और ....

प्रेरणा - ...... और माँ हमें जगह-जगह पर रखे हुए कूड़ेदान का प्रयोग करना होगा।

माँ - हाँ बेटी! अब तुम भी ये बात समझ गई हो। तुम भी अपने दोस्तों को स्वच्छता से अवगत कराओं।

प्रेरणा- ठीक है माँ, मैं आज शाम को अपने मित्रों को एकत्रित कर स्वच्छता के लाभों से अवगत कराऊँगी।

माँ- ऐसा करके तुम स्वच्छ माहौल बनाने में अपनी भागीदारी निभाओ।

प्रेरणा- ठीक है माँ, मैं ऐसा ही करूँगी।

OR

ग्राहक - सेठ जी! चीनी है क्या?

दुकानदार - हाँ, है।

ग्राहक - चीनी साफ़ होनी चाहिए। पिछली बार वाली चीनी साफ़ नही थी |

दुकानदार - भाई साहब! खुली चीनी थोड़ी सी पीली है।

ग्राहक - तो फिर कौन-सी चीनी अच्छी है?

दुकानदार - उत्तम चीनी पैकेट में आई है। इस पर एगमार्क का चिह्न भी है।

ग्राहक - यह चीनी महँगी होगी।

दुकानदार - अब सामान्य चीनी से तो थोड़ी महँगी ही है। पर हाँ एक-एक किलो के पैकेट में आई है।

ग्राहक - सेठ जी! जरा भाव तो बताओ। अब सेहत के साथ खिलवाड़ तो कर नहीं सकते।

दुकानदार - आपका कहना बिलकुल सही है और वैसे भी आप तो हमारे नियमित ग्राहक हैं। इसलिए आपको पैंतालिस रुपये किलो लगेगी।

26. **जब मैं पहुँचा परीलोक**

एक दिन मैं सुबह सूर्यादय से पहले घूमने निकला। चलते-चलते मैं अचानक एक बहुत ही खूबसूरत स्थान पर पहुँच गया। वहाँ सब तरफ सिर्फ सुन्दरता ही व्याप्त थी और श्वेत वस्त्रों में जादुई छड़ियों के साथ परियाँ वहाँ घूम रही थी। एक ओर पेड़ों पर फल लटक रहे थे तो दूसरी ओर दूध का झरना बह रहा था। मैंने जी भर के फल खाए और दूध पिया। अब मुझे नींद आ गई। अचानक मुझे लगा जैसे कोई मुझे झिंझोड़ कर जगा रहा है। जब मैंने आँख खोली तो देखा कि मैं तो अपने घर में ही अपने बिस्तर पर सो रहा था। आखिर सपनों में ही सही परी लोक की सैर तो हो ही गई।

OR

प्रकृति की छाँव

जिन बच्चों का शहर में जन्म होता है और वे उसी परिस्थिति में पले बढ़े हो, उनको प्रकृति के बीच आकर ऐसा महसूस होता है कि वे किसी और ही दुनिया में आ गए हों। ऐसा ही कुछ चिंकी के साथ हो रहा था। जब से वह अपने दादा-दादी के पास उनके गाँव में अपनी छुट्टियाँ मनाने आयी थी। चारों तरफ हरियाली और भिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को देखकर उसे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वो किसी काल्पनिक दुनिया में आ गई हो। ना यहाँ पर किसी प्रकार का शोरगुल था और ना ही ऊँची इमारतों से भरी हुई जगह थी।

उसके घर के पास बहुत बड़ी जगह थी जिसमें आम और लीची के बहुत-से पेड़ लगे हुए थे, फिर भी उसके खेलने के लिए जगह पर्याप्त थी। ऐसे ही छुट्टियाँ कब समाप्त हुई, उसे पता ही नहीं चला। मन नहीं होने के बावजूद भी उसे शहर वापस जाना था। लेकिन जाते-जाते उसने ये ठान लिया कि शहर में भी अपने घर के आस-पास वो हरा-भरा वातावरण रखेगी और अगली छुट्टियों में फिर से इस प्रकृति की छाँव में जरूर आएगी।